प्रकार्यवाद एवं संरचनावाद में अंतर तथा प्रकार्यवाद की आलोचनाएँ

(i) जैसा कि हमलोग जानते हैं कि संरचनावाद का कार्य चेतना के तत्वों का अध्ययन करना था। इसके विपरीत प्रकार्यवाद का कार्य मानसिक प्रक्रियाओं के प्रकार्य का पता करना है एवं यह अध्ययन उपयोगिता के उद्देश्य से किया जाता है।

(ii) संरचनावाद सिर्फ (मनुष्यों के) चेतन अनुभूति के अध्ययन की बात करते हैं इस तरह उनके अनुसार मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी संकुचित है संरचनावाद केवल सामान्य मनोविज्ञान तक ही सीमित रहा जबकि प्रकार्यवाद मनोविज्ञान के [Applied] व्यवहारिक दृष्टिकोण पर बल देता है एवं यह मनोविज्ञान के क्षेत्र को बढ़ाता है। प्रकार्यवाद के कारण ही पशु मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान एवं अन्य मनोविज्ञान का विकास हुआ।

(iii) Mind-Body problem का लेकर संरचनावादियों ने कहा कि मानसिक क्रियाएँ एवं शारीरिक क्रियाएँ अलग-अलग होती है एवं दोनों का स्वतंत्र रूप से देखकर अध्ययन किया जा सकता है। संरचनावादियों का यह भी कहना था कि मानसिक एवं शारीरिक क्रियाओं में interaction नहीं होता है। ठीक इसके उल्टे प्रकार्यवादियों का कहना था कि 'चेतन' मानसिक क्रिया का मानसिक भाग है और प्रतिक्रिया इसका दैहिक (Physical) भाग। प्रकार्यवादियों ने psychophysical मनोदैहिक शब्द के आधार पर इसे एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह बनाया। प्रकार्यवादियों ने द्वैतवादी - (Dualistic) शब्द का उपयोग Mental process के लिए किया।

(iv) संरचनावादियों एवं प्रकार्यवादियों दोनों ने introspection को तो माना लेकिन संरचनावादी जहाँ अन्तर्निरीक्षक को कुशल प्रशिक्षित होना आवश्यक समझते थे वहीं प्रकार्यवादी इस पर कुछ विशेष नहीं कहते हैं।

(v) संरचनावादियों का यह भी कहना था कि चूँकि प्रकार्य चेतना में सीधे नहीं दिखाई देता अतः उसका introspective Analysis असंभव है।

इन अंतरों के बाद भी प्रकार्यवाद तथा संरचनावादी introspection Method को ही मुख्य विधि मानते थे तथा दोनों इसे प्रयोगात्मक बनाना चाहते थे।

REDMI NOTE AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner

प्रकार्यवाद की आलोचनाएँ

अमेरिकन मनोवैज्ञानिकों के द्वारा प्रकार्यवाद पहला ऐसा सम्प्रदाय था जिसने सर्वप्रथम संरचनावाद [दुनिया के सर्वप्रथम मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय] के विरुद्ध भी झंडा खड़ा किया था, और प्रकार्यवाद ने उपयोगिता के आधार पर मानसिक क्रियाओं के कार्यों की खोज की बात कही। प्रकार्यवाद के कारण मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी व्यापक हो गया तथा व्यवहारिक होने लगा। लेकिन इसके बाद भी प्रकार्यवाद में कई खामियाँ थी जिसका आलोचकों ने निम्नलिखित आधार पर विरोध किया :-

(1.) कुछ मनोवैज्ञानिकों ने प्रकार्यवादियों की आलोचना "Function" प्रकार्य के अस्पष्ट प्रयोग पर किया। आलोचकों का कहना था कि प्रकार्य का अर्थ Functional मनोवैज्ञानिकों ने भिन्न जगह पर भिन्न तरह से किया है जैसे Function का उपयोग क्रिया - जैसे सांस लेना, दौड़ना, सीखना आदि के लिए किया पुनः सांस लेने से स्पष्ट शुद्ध होता है अर्थात "उपयोगिता" के लिए किया। इसी तरह इसका उपयोग गणित में पद तथा निर्भरता के लिए भी किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि "प्रकार्य" का उपयोग स्पष्टतः नहीं किया गया और इस कारण इसकी आलोचना होती है।

(2.) प्रकार्यवादी - introspection को विधि के रूप में मानते थे परन्तु संरचनावादियों ने यह कहकर उनका विरोध किया कि- प्रकार्यवादियों द्वारा प्रयुक्त - प्रत्ययों (concepts) प्रकार्य, उपयोगिता, मूल्य आदि किसी का भी अध्ययन introspection से संभव नहीं हो सकता। प्रकार्यवादियों का भी स्पष्ट मत था कि चेतना कभी विभाजित नहीं हो (सकता) प्रकार्यवादियों ने कहा कि चेतना और उसके तत्वों का अध्ययन निरर्थक गलत है।

(3.) प्रकार्यवादी सिर्फ उपयोगिता पर ज्यादा बल देते थे अतः (Applied Science) प्रयुक्त विज्ञान की ओर अग्रसर हुए। यदि प्रकार्यवाद (pure Science) विशुद्ध विज्ञान की ओर भी ज्यादा ध्यान देते तो शायद उनकी आलोचना कम होती। आधुनिक मनोविज्ञान इसलिए दोनों में अंतर नहीं मानते हैं। अतः Modern Psychologist इस आलोचना को विशेष महत्व नहीं दिया।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner

(4.) आलोचकों का कहना था कि प्रकार्यवादियों ने विभिन्न तरह की विधियों एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का चयन अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु किया। कई तरह की समस्याओं पर अध्ययन करने के कारण प्रकार्यवादियों ने मौलिकता खो दी। इसके प्रकार्यवादियों ने अपने अध्ययन विषय के रूप में किसी एक विषय (Subject-Matter) को नहीं चुना। चूँकि उस समय के सम्प्रदाय में चलन था, तो इस आधार पर भी कई आलोचकों ने प्रकार्यवाद की आलोचना की है।

(5.) उपयोगितावाद पर सबसे ज्यादा बल प्रकार्यवादी देते थे जिस कारण आलोचकों ने प्रकार्यवादी को सोद्देश्यवादी - (Teleological) कहकर विरोध करते थे। मगर यह भी सत्य है कि बहुत से मनोवैज्ञानिकों ने Adler, Jung, Tolman के अध्ययन को भी सोद्देश्यवादी ही कहा फिर भी उनकी आलोचना नहीं होती है।

उपरोक्त को देखने से स्पष्ट होता है कि आलोचकों ने कई तरह से प्रकार्यवाद का विरोध किया। परन्तु यह भी सत्य है कि प्रकार्यवाद संरचनावाद के विरुद्ध एक शक्तिशाली सम्प्रदाय के रूप में उभर कर आया। सच तो यह है कि संरचनावाद के Subjectivity पर प्रश्न चिह्न खड़ा करते हुए objectivity की राह पर चलता गया और मनोविज्ञान के प्रथम सम्प्रदाय के विचारधारा/विषय-वस्तु से अलग हटकर उपयोगी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर गहन अध्ययन कर मनोविज्ञान के क्षेत्र को व्यापक बनाने का कार्य किया।

Dr. AJAY KUMAR
Associate Professor and H.O.D. PSYCHOLOGY
JAGJIWAN COLLEGE, ARA
V.K.S.U., ARA, BIHAR
email- ajaypsychologyara@gmail.com
Mo. No- 8789427854

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner